06/02/2016; Issue 050 ₹ 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in

पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्लि कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418411599

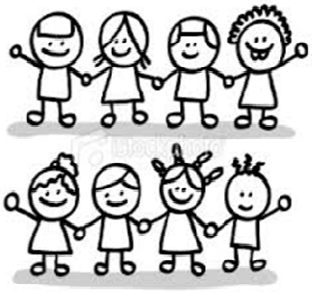

'तकड़े असे ना'

तुबारि संपादकीय टीमे कनारा सोभि तुबारि पढ़णे बाड़ी, लेखक त दुकानदारी के मदत जे धन्यवाद।

'पंगेई सोभि मेहणु जे जकारु बधे!

अबादी पुठ दिए ध्यान

मोनिका, क्लास छठी, चौकी ग्रां

से दन बि थिए कत टियारे,
अब बगि बणे घर,
सोभि घरि थी सुख-शांती,
केहि मगेंई रेहंती खाली,
जगाई-जगाई सुआ हुसड़ा असा,
रोज भुण लगो असी लूटमार,
कोठि-कोठि हेरे डक्का-मुक्की,
मीलों-मील असा जाम लग गओ,
कठा जे परिवार रेहंता,
मेहणु मीण जे टेम मेता,
मेहंगाई बेरोजगारी भो,
स्वार्थ छुड़कान्ता सोभि के हक,
बधती अबादी ए भींथ फल।

दूर-दूर तकर थिए हें बग नीले-नीले,
ए बधती अबादी फल,
सोभि के मुंह पुठ थी ललियार,
खाली रेहि गए बग बघुई।
मेहणु-मेहणु पुठ सुवार असा,
मुल सोब भोइ गए तार-तार।
अराम जोइ जिणा गा मुखि,
खाली ठहर कोठि नजर नेई अओ,
सुखी त स्वस्थ घरवार रेहंता,
सोभि यक बराबर हक मेता,
भ्रष्टाचार महामारी भो,
सच्चाई ना रेहि कोई बोक,
चौकी मोनिका ए भीन्थ बोल।

गोल्फ खेलणे चस्का

कार्तिक ठाकुर, दशमी क्लास, चौकी ग्रां,

यक ग्रां थिउ। तठि शांता सिंह नउए यक मेहणु त तसे जुएली थिए। शांता सिंह गोल्फ खेलने शौकीन थिया। से हर एतवारे भ्यागे ईं गोल्फ खेलण जे घेन्ताथ त जाई कइ ब्यादि एन्ताथ। से सुआ साल केआं गोल्फ खेलताथ।

इस ऐतवारे से खड़िया त हेरु कि बहरी जोरि मेघे लगो असी। त सुआ बियार बि लगो असी। से चेरे तकर बराने इस उम्मीद अन्तर खाखड़ बिशा कि मेघे टुटिएल। पर मेघे त रुकणे नऊ बि न थियु नियो। तउं से अन्तर एई गा। तसे जुएली अपल तकर उंघोरि थी। से फिर मठे बछाण अन्तर घेई गा। बछाण अन्तर घेई कइ अपु जुएली कन पतूं मठे बोलुण लगा, "आज सुआ मेघे लगो असी। ईं लगुतु जी हड़ अओ असु।" तसे जुएली उंघोरे जवाब दुतु, "ईं मेघ अन्तर बि में बेबकूफ धाणि गोल्फ खेलण जे गओ असा।"

माघे त फोगुणे तिहार

विनोद, ग्रां :सैरी भटोस

मेहना	देशी तरीख	तिहार	अंग्रेजी तरीख	वार
माघ	26	सल्ह	8 फरवरी	सुमार
माघ	27	पड़ीद	9 फरवरी	मंगे
माघ	28	दुवलऊ पनेही	10 फरवरी	बुध
माघ	29	टियलऊ पनेही	11 फरवरी	लेसपत
माघ	30	चुअलऊ	12 फरवरी	शुकर
फोगुण	01	पनेही	13 फरवरी	शणेचर
फोगुण	02	टकोसु उयाण	14 फरवरी	ऐतवार
फोगुण	03	बकरीयाठ	15 फरवरी	सुमार
फोगुण	04	बटुड़ु	16 फरवरी	मंगे
फोगुण	05	टुओठ; शीते बुढ़ी पुटिन्ती - गडे छल बिश्ति	17फरवरी	बुध
फोगुण	06	नागे उयाण; शीते बुढ़ी - देउई बिश्ति	18 फरवरी	लेसपत
फोगुण	07	राजे उयाण; शीते बुढ़ी - चुलोसरु नाग बिश्ति	19 फरवरी	शुकर
फोगुण	08	टजे उयाण; शीते बुढ़ी - करेल सिदयाली	20 फरवरी	शणेचर
फोगुण	09	सुआंग; भराइरथ बुढ़ी - कंगराड़ु	21 फरवरी	ऐतवार
फोगुण	10	दण पड़जु; शीते बुढ़ी - महादेवे	22 फरवरी	सुमार
फोगुण	11	शीते बुढ़ी - मेटिन भोज ,	23 फरवरी	मंगे
फोगुण	12	शीते बुढ़ी - उतुरुणी, बुन्हि परमस	24 फरवरी	बुध
फोगुण	13	शीते बुढ़ी -खनावेद	25 फरवरी	लेसपत
फोगुण	14	शीते बुढ़ी - सैरी कोट	26 फरवरी	शुकर
फोगुण	15	शीते बुढ़ी - मराइन भोज	27 फरवरी	शणेचर
फोगुण	16	शीते बुढ़ी - गुजराड़	28 फरवरी	ऐतवार

मैडम चिंटु जे

रोहित ठाकुर चौकी

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

सोभि पंगेई मेहणु के छने -अरे कते हियुंत मेहना लगो असा त सुआ ठन्यारी असी। तिहार बि लगो असे त सुआ अराख न पिए। अपु कुई-चीड़ी त सकि नति जोइ तिहार मनाए। सुआ अराख पी कइ अपु सेहद खराब न करें।